[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4523 **H**

Unique Paper Code : 2051002004

Name of the Paper : Ability Enhancement Course Hindi (AECs) D

Name of the Course : **AEC : Hindi**

Semester : IV

Duration : 2 Hours
समय : 2 घण्टे

Maximum Marks : 60
पूर्णांक : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** के बारे में लिखिए - (10)

(Write about any **one** of the following)

बिरला मंदिर, इंडिया गेट, जंतर मंतर।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** भारतीय व्यंजन के बारे में लिखिए - (10)

(Write about any **one** of the following Indian dishes)

मक्के की रोटी-सरसों का साग, हलवा, आलू परांठा।

3. किसी **एक** का वर्णन कीजिए - (10)

(Describe any **one**)

गणतंत्र दिवस, ईद, सलवार-कुर्ती, लहंगा चोली।

4. किसी **एक** विषय पर संवाद लिखिए - (10)

(Write a dialogue on any **one** topic)

पति-पत्नी का संवाद (किसी भी हिंदी फिल्म के आधार पर),

पिता-पुत्र का संवाद (किसी भी हिन्दी नाटक के आधार पर),

राजा-मंत्री का संवाद (किसी भी नाटक के आधार पर)

अथवा

पत्र लिखिए

(Write a letter)

अपने दोस्त को उसकी बहन की शादी की बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

Write a letter congratulating your friend on his sister's marriage.

5. किसी एक का आँखों देखा वर्णन कीजिए – (10)

(Describe any one)

सड़क दुर्घटना, पर्वतीय स्थल, कोई एक खेल

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (2x5=10)

'श्रम' जीवन की वह कुंजी है जो भाग्य का ताला खोल देती है। व्यक्ति शारीरिक और मानसिक श्रम के द्वारा जीवन की कठिनाइयों पर विजय आसानी से प्राप्त कर सकता है। श्रम के माध्यम से मनुष्य सबल बनता है तथा परिवार समाज व देश की उन्नति का कारण बनता है। प्रकृति भी सभी को यही संदेश देती है कि 'श्रम' की ताकत के आगे कुछ भी नामुमकिन नहीं रहता। मधुमक्खी और चीटियाँ पूरे वर्ष मेहनत करती

रहती हैं और मनुष्य को संदेश देती हैं कि श्रम कभी भी व्यर्थ नहीं जाता। श्रम जीवन में सफलता के द्वार खोलता है। किसान की मेहनत ज़ब अनाज बनकर खेतों में उपजती है तो उसकी खुशी और उत्साह दुगुना होजाता है। श्रम और अभ्यास ने कबीर, तुलसी, गांधी, नेहरू जैसी महान विभूतियों को प्रसिद्धि दिल्लाई। अभ्यास लक्ष्य प्राप्ति का वह सरल साधन है जो 'श्रम' के महत्व को जीवन में स्थापित करता है।

(क) श्रम किस ताले की कुंजी है?

(ख) श्रम द्वारा मनुष्य किसकी उन्नति करता है?

(ग) चीटियाँ कया संदेश देती हैं?

(घ) 'सबल' और 'नामुमकिन' का विलोम बताइए।

(ङ) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।